4203

HIND(P)-III

723

Printed Pages : 2

M.A. (Previous) Examination, 2022

हिन्दी साहित्य

Paper-III

(Compulsory Paper)

साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

Time Allowed : **3 Hours**

Maximum Marks : **100 / 80**

For Non Collegiate – **100**

For Regular – **80**

Note : (1) No supplementary answer-book will be given to any candidate. Hence the candidates should write the answer precisely in the main answer book only.
किसी भी परीक्षार्थी को पूरक उत्तर-पुस्तिका नहीं दी जायेगी । अतः परीक्षार्थियों को चाहिये कि वे मुख्य उत्तर-पुस्तिका में ही समस्त प्रश्नों के उत्तर सही ढंग से लिखें ।

(2) All the parts of one question should be answered at one place in the answer-book. One complete question should not be answered at different places in the answer-book.
किसी भी एक प्रश्न के अंतर्गत पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के उत्तर, उत्तर-पुस्तिका में अलग-अलग स्थानों पर हल करने के बजाय एक ही स्थान पर हल करें ।

(3) सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए । प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित अंक उनके समक्ष अंकित हैं । पूर्णांक भिन्न होने के कारण नियमित व स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए प्रश्नों के भिन्न अंक अंकित हैं ।

https://www.pdusuonline.com

1. साहित्य की परिभाषा देते हुए साहित्य की प्रमुख विधाओं के सैद्धान्तिक रूप की संक्षिप्त विवेचना कीजिए।

नियमित = 4 + 12 = 16 / स्वयंपाठी = 5 + 15 = 20

अथवा

मुक्तक काव्य किसे कहते हैं ? स्पष्ट करें और मुक्तक काव्य की उपयोगिता व प्रासंगिकता बताते हुए इसकी विशेषताओं का वर्णन करें। **नियमित = 4 + 12 = 16 / स्वयंपाठी = 5 + 15 = 20**

2. 'रस निष्पत्ति' से क्या तात्पर्य है ? 'रस सूत्र' व 'रस निष्पत्ति' के मध्य सम्बन्ध को विभिन्न विद्वानों की व्याख्या के माध्यम से स्पष्ट करें। **नियमित = 4 + 12 = 16 / स्वयंपाठी = 5 + 15 = 20**

अथवा

काव्य में अलंकारों की उपयोगिता और महत्ता को विवेचित करते हुए अलंकार के लक्षणों पर प्रकाश डालिए।

नियमित = 8 + 8 = 16 / स्वयंपाठी = 10 + 10 = 20

3. अरस्तू के काव्य सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए। **नियमित = 16 / स्वयंपाठी = 20**

अथवा

आई.ए. रिचर्ड्स के सम्प्रेषण सिद्धान्त को स्पष्ट करते हुए हिन्दी साहित्य पर उसके प्रभाव को रेखांकित कीजिए।

नियमित = 8 + 8 = 16 / स्वयंपाठी = 10 + 10 = 20

4. "आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की आलोचना पद्धति में रस दृष्टि और लोकमंगल की अवधारणा प्रारंभ से अंत तक दिखाई देती है।" इस कथन की विवेचना कीजिए। **नियमित = 4 + 12 = 16 / स्वयंपाठी = 5 + 15 = 20**

अथवा

डॉ. रामविलास शर्मा की आलोचना पद्धति पर सारगर्भित निबंध लिखिए। **नियमित = 16 /स्वयंपाठी = 20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : **नियमित = 8 + 8 = 16 / स्वयंपाठी = 10 + 10 = 20**

(i) हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास

(ii) सैद्धान्तिक आलोचना

(iii) मनोवैज्ञानिक आलोचना शास्त्र

(iv) नयी समीक्षा

https://www.pdusuonline.com